INTERNATIONAL NEWS AND VIEW CORPORATION
INVC
अंतरराष्ट्रीय समाचार एवं विचार निगम

आचार-विचार वाली मूर्खता

By : Editor Published On : 22 Jun, 2019 01:53 PM IST

एक बार एक अजनबी किसी के घर गया पर वह खाली हाथ आया ही था तो उसने सोचा कि कुछ उपहार देना अच्छा रहेगा तो उसने वहां के मेहमान कक्ष में टंगी एक पेंटिंग उतारी और जब घर का मालिक आया तो उसे वही पेंटिंग देते हुए कहा, 'यह पेंटिंग आपके लिए लाया हूँ' घर का मालिक जिसे पता था कि यह पेंटिंग उसकी ही है और यह उसकी चीज ही उसे भेंट में दे रहा है। अब आप ही बताइए कि क्या वह भेंट पाकर जो कि पहले से ही उसका है, उस आदमी को खुश होना चाहिए? मेरे ख्याल से नहीं.... लेकिन यही चीज तो हम भगवान के साथ भी करते है।

हम उन्हें रुपया, पैसा चढाते हैं और हर चीज जो उनकी ही बनाई है, उन्हें भेंट करते है, लेकिन मन में भाव रखते है कि ये चीज मैं भगवान को दे रहा हूँ और सोचते है कि ईश्वर खुश हो जाएंगे। मुर्ख है हम! हम यह नहीं समझते कि उनको इन सब चीजों की जरूरत नहीं।

मानवीय व्यवहार और आचार-विचार की यही एक मूर्खता है जो अपनी पराकाष्ठा को छूने के बाद भी भान नहीं होने देती, जो समझ जाता है वह ईश्वर को समर्पित हो जाता है PLC

URL : https://www.internationalnewsandviews.com/आचार-विचार-वाली-मूर्खता/

INTERNATIONAL NEWS AND VIEW CORPORATION

INVC

अंतरराष्ट्रीय समाचार एवं विचार निगम

12th year of news and views excellency

Committed to truth and impartiality

Copyright © 2009 - 2019 International News and Views Corporation. All rights reserved.

www.internationalnewsandviews.com